संपर्क क्रांति से पकड़ी 50 लाख की विदेशी सिगरेट

100
करोड़ रुपए की विदेशी सिगरेट तस्करी के रास्ते खप रही है अकेले कानपुर में, अबतक की सबसे बड़ी खेप पकड़ी गई यूपी में

02
महीने पहले भी कानपुर सेंट्रल स्टेशन से नौ लाख की विदेशी सिगरेट पकड़ी गई थी, कोरिया का था ब्रांड

कानपुर | प्रमुख संवाददाता

- पार्सल यान में मिलीं चीन की 'विन' सिगरेट, दिल्ली के लिए थी बुकिंग
- कानपुर में रोज 10 लाख रुपए की विदेशी सिगरेट धुंए में उड़ा दी जाती

कानपुर विदेशी सिगरेटों की तस्करी का गढ़ बनता जा रहा है। कस्टम विभाग के अफसरों ने सेंट्रल स्टेशन पर छापा मारकर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस से 50 लाख रुपए की विदेशी सिगरेट पकड़ीं। उत्तर प्रदेश में ये अब तक की सबसे बड़ी खेप बताई जा रही है। दो महीने पहले भी सेंट्रल से नौ लाख रुपए की विदेशी सिगरेट पकड़ी गई थी। अकेले कानपुर में 100 करोड़ रुपए की विदेशी सिगरेट तस्करी के रास्ते खप रही है।

विदेशों से तस्करी के रास्ते आ रही सिगरेट के खिलाफ कस्टम आयुक्त वेद प्रकाश शुक्ला और उपायुक्त चंचल कुमार तिवारी ने अभियान छेड़ दिया है। पुख्ता सूचना के आधार पर बुधवार सुबह कस्टम टीम ने सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर पूर्वोत्तर संपर्क क्रांति (15601) को आते ही घेर लिया। ट्रेन के पार्सल यान में सुपरिटेंडेंट जगत सिंह राणा, निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार, निरीक्षक शिवम बाजपेयी, एसी पांडेय, गिरीश यादव व राजेन्द्र यादव ने प्रवेश किया और विदेशी सिगरेट का जखीरा बरामद किया। पैकेट खोलने पर मेड इन चाइना के 'विन' ब्रांड की

सेंट्रल स्टेशन पर ट्रेन से पकड़ी गई तस्करी कर लाई गईं विदेशी सिगरेट। • हिन्दुस्तान

सिगरेट निकली। पूरा माल नॉर्थ ईस्ट के सिलचर जंक्शन से लोड हुआ था और कागजों में दिल्ली के लिए बुक था लेकिन बुकिंग में न तो किसी फर्म का नाम था, न किसी व्यक्ति का। छह गत्तों में भरी सिगरेट का वजन 368 किलो निकला। पूरे माल की अनुमानित कीमत 50 लाख रुपए आंकी गई। दो महीने पहले पकड़ी गई विदेशी सिगरेट कोरिया का 'एसेलाइट' ब्रांड था।

म्यांमार, बांग्लादेश व नेपाल बॉर्डर सेफ पैसेज : चंचल तिवारी ने बताया कि विदेशी सिगरेट की संगठित रूप से तस्करी हो रही है। म्यांमार, बांग्लादेश और नेपाल ऑर्डर सबसे सुरक्षित रास्ते के रूप में उभरकर सामने आए हैं। एयरपोर्ट से भी कई मामले पकड़े गए हैं। कस्टम कमिश्नर वीपी शुक्ला के निर्देशों के बाद अब इन सभी रास्तों पर नाकेबंदी की तैयारी की जा रही है।

40 ब्रांड बिक रहे तस्करी के : कानपुर में छोटी से बड़ी पान की दुकानों में विदेशी सिगरेट धड़ल्ले से बिक रही है। ये इंडोनेशिया, मलेशिया, दुबई, सिंगापुर, चीन और अमेरिका की हैं। फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया फार्मर्स एसोसिएशन की रिपोर्ट के मुताबिक अवैध विदेशी सिगरेट से 13 हजार करोड़ के राजस्व का नुकसान हो रहा है। लगभग 17 अरब की सिगरेट स्टिक अवैध रास्तों से तस्करी के जरिए आ रही है। कानपुर में 10 लाख रुपए की रोज विदेशी सिगरेट धुंए में उड़ा दी जाती है।

सोने से ज्यादा सिगरेट स्मगलिंग के कारण

- विदेशी सिगरेट पर 73 फीसदी जीएसटी व कस्टम ड्यूटी है। इसकी सीधी-सीधी बचत होती है
- भारत में सिगरेट के पैकेट के 85 फीसदी हिस्से पर भयानक फोटो होना चाहिए। विदेशों में ऐसा नहीं है
- विदेशी सिगरेट के पैकेट में भयानक फोटो न होने से लोगों को लगता है कि ये कम खतरनाक है
- फुटकर दुकानदार को जबर्दस्त फायदा। सिगरेट के एक पैकेट पर 80 से 200 रुपए तक फायदा